



दी नैक्स पोस्ट

साप्ताहिक

7 गोरखपुर में होगी झमाझम बारिश 5 गठबंधन के फेर में न उलझ जाए सपा 8 क्रिकेट जगत की हस्तियां

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 03

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 13 जुलाई, 2026

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र बोले

चढ़ावा चोरी कलंक

व्यवस्था में होगा सुधार
20 जुलाई तक पूरा
होगा मंदिर निर्माण

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में सामने आए चढ़ावा चोरी प्रकरण को कलंक बताते हुए कहा कि लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं।

एसआईटी जांच के बीच नृपेंद्र मिश्र का बड़ा बयान, मामला अधिक गंभीर



अयोध्या, संवाददाता

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने चढ़ावा चोरी की घटना को कलंक बताते हुए व्यवस्था में सुधार का भरोसा दिया। नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। निर्माण कार्यों की समीक्षा के बाद शेष काम 20 जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद जताई गई और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में सामने आए चढ़ावा चोरी प्रकरण को कलंक बताते हुए कहा कि लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। ऐसे में इस प्रकार की घटना हम सभी को छोटा महसूस कराती है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अंतिम निर्णय करेगा

अयोध्या में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि मंदिर के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति की संस्तुति के आधार पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अंतिम निर्णय करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शनिवार को होने वाली बैठक पूरी तरह निर्माण कार्यों पर केंद्रित है। इस बैठक में ट्रस्ट के पदाधिकारी शामिल नहीं होंगे। बैठक में केवल निर्माण कार्य से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ परियोजना की प्रगति र शेष कार्यों की समीक्षा की जाएगी।



राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

जिला पंचायत अध्यक्ष बने

प्रशासक

यूपी में ग्राम प्रधानों के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष भी बने प्रशासक



जिला पंचायत अध्यक्ष बने प्रशासक, सरकार ने जारी किया आदेश ब्लॉक प्रमुखों पर भी जल्द लागू होगी नई व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्षों को अंतरिम व्यवस्था के तहत संबंधित पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किया है। यह व्यवस्था नई पंचायतों के गठन तक लागू रहेगी। प्रदेश सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त कर दिया है। शासन ने इस संबंध में शुक्रवार रात आदेश जारी कर दिया है। सभी 75 जिला पंचायत अध्यक्षों का पांच वर्षीय कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो रहा है। नई व्यवस्था बनने तक अब संबंधित जिला पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों का कामकाज निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक के रूप में संभालेंगे। पंचायती राज विभाग ने पहले ही शासन को इसका प्रस्ताव भेज दिया था, जिस पर सरकार ने मुहर लगा दी। वर्ष 2021 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों की पहली बैठक 12 जुलाई 2021 को हुई थी।

एक पेड़ मां के नाम

प्रदेश में 35 करोड़ रिकार्ड पौधारोपण के लक्ष्य

गोरखपुर, संवाददाता

सीएम योगी गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के समीप पौधा लगाकर पौधारोपण महायज्ञ 2026 का शुभारंभ किया। प्रदेश में 35 करोड़ रिकार्ड पौधारोपण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले पौधारोपण महायज्ञ 2026 में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, गोरखनाथ मंदिर में प्रातःकाल जनता दर्शन का कार्यक्रम स्थगित रहा। इस बीच मुख्यमंत्री योगी ने सभी प्रदेशवासियों से पौधारोपण महायज्ञ में अपनी आहुति देने के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की है। सीएम योगी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप हर नागरिक को 'एक पेड़ मां के नाम' लगाकर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को सिद्धि में परिवर्तित करने का प्रयास करना चाहिए।



'वन नेशन-वन इलेक्शन' के तहत होंगे 2029 के लोकसभा चुनाव? संसद की संयुक्त सभा ने दिए संकेत



रडार से बचने की अचूक तकनीक समुद्र में बढ़ेगी दुश्मनों की टेंशन, नौसेना में शामिल हुआ INS महेंद्रगिरि



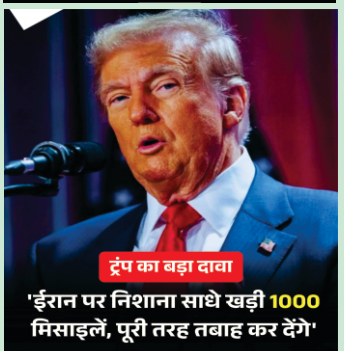
बदरीनाथ चढ़ावा चोरी जरूरतमंदों को नहीं मिला दान के वाहन का फायदा, VIP करते रहे सवारी

बिजली भार बढ़ाने में मनमानी का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं ने बिना पूर्व सूचना बिजली भार बढ़ाने और फिक्स चार्ज अधिक वसूलने पर आपत्ति जताई है। भार घटाने की प्रक्रिया जटिल होने से उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। ऊर्जा विभाग का कहना है कि संसाधन प्रबंधन के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है, जबकि उपभोक्ता संगठन पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। प्रदेश का ऊर्जा विभाग सरेआम उपभोक्ताओं की जेब काट रहा है। हालात यह है कि बिजली का भार तीन माह की रीडिंग के आधार पर अपने आप बढ़ा दिया जाता है, लेकिन घटाने के लिए उपभोक्ताओं को उपकेंद्रों के चक्कर काटने पड़ते हैं। इतना ही नहीं किसी तरह भार घटा तो भी फिक्स चार्ज 75 फीसदी ही कम होगा। प्रदेश में 3.73 करोड़ बिजली उपभोक्ता हैं। सालभर में तीन माह अधिकतम खपत के आधार पर बिजली भार बढ़ाया जाता है।



चढ़ावा चोरी का दान पर पड़ा सीधा असर, 200-500 के नोट हुए कम, 10 और 20 के रूपयों की भरमार



ट्रंप का बड़ा दावा 'ईरान पर निशाना साधे खड़ी 1000 मिसाइलें, पूरी तरह तबाह कर देंगे'



ममता बनर्जी को बड़ा झटका, TMC के 12 और बैंक खाते फ्रीज



लल्ला चले जेल कोर्ट ने राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में 3 महीने की जेल की सज़ा सभी 7 मामलों में सज़ा साथ-साथ चलेगी, यानी कुल सज़ा 3 महीने मानी जाएगी हर मामले में ₹1.05 करोड़ जुर्माना, भुगतान न होने पर अतिरिक्त सज़ा अग्रिम का बंधन हर मामले में ₹1.05 करोड़ से ₹1,04,75,000 सिविल लाइफ को ₹25,000 राज सरकार के खाते में जमा होने

सम्पादकीय

एथनाल मिश्रित पेट्रोल

*ई-20 ईंधन ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण के लिए लाभकारी।
माइलेज में मामूली 3-4: कमी, इंजन को नुकसान नहीं।
सरकार ने दुष्प्रचार पर स्पष्टीकरण दिया, और जानकारी अपेक्षित।*

सरकार ने स्पष्ट किया है कि ई-20 एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से माइलेज में मामूली कमी आती है, लेकिन यह ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण और किसानों के लिए लाभकारी है। डिजिटल मीडिया में फैले दुष्प्रचार के बावजूद, यह ईंधन विदेशी मुद्रा बचाने में भी सहायक है, हालांकि पुरानी गाड़ियों पर इसकी उपयुक्तता पर और स्पष्टीकरण अपेक्षित है। यह अच्छा हुआ कि अंततः सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि ई-20 ईंधन अर्थात एथनाल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों का माइलेज भले ही कुछ कम होता हो, लेकिन यह ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ पर्यावरण के लिए उपयोगी होने के साथ ही किसानों के लिए भी लाभकारी है। इसके अतिरिक्त यह विदेशी मुद्रा की बचत में भी सहायक है। और भी अच्छा होता कि यह स्पष्टीकरण पहले ही आ जाता, क्योंकि एक अर्से से इस तरह की अपुष्ट खबरें डिजिटल मीडिया में तैर रही थीं कि 20 प्रतिशत एथनाल वाले पेट्रोल से माइलेज में अच्छी-खासी कमी आने के साथ ही वाहन के इंजन को भी नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों ने तो ऐसे फर्जी वीडियो शेयर किए कि ई-20 पेट्रोल से उनकी गाड़ी बीच रास्ते में बंद हो गई।

इस दुष्प्रचार को देखते हुए सरकार और विशेष रूप से पेट्रोलियम मंत्रालय को समय रहते सक्रिय होना चाहिए था और वस्तुस्थिति स्पष्ट करनी चाहिए थी। देर से ही सही, यह काम किया गया, लेकिन अभी इस बारे में स्पष्टता की अपेक्षा है कि क्या पांच-छह साल पुरानी गाड़ियों के लिए भी ई-20 पेट्रोल उपयुक्त है? उचित यह होगा कि इस तरह का कोई स्पष्टीकरण देने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ ही आटो कंपनियां भी आगे आए।

यह ठीक है कि कुछ कार कंपनियों के अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया है, लेकिन बेहतर होता कि इस मामले में आटो कंपनियों के संगठन सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स की ओर से भी अपनी बात कही जाती। वैसे भी इस संगठन का मुख्य कार्य सरकार के साथ मिलकर आटो सेक्टर की नीतियों, सुरक्षा मानकों और उत्सर्जन संबंधी नियमों को तय करना है। ई-20 मामले से सरकार को यह सीख लेनी चाहिए कि कोई नई पहल करने के साथ ही हितधारकों को भरोसे में लेना और आम लोगों को उसके उद्देश्यों से परिचित कराना आवश्यक होता है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि एक एजेंडे के तहत किसी लाबी की ओर से ई-20 ईंधन के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाया गया। नीति-नियंताओं को ऐसे एजेंडाधारियों के प्रति सदैव सतर्क रहना चाहिए। यदि यह पहले दिन से ही स्पष्ट होता कि ई-20 ईंधन से माइलेज में महज 3-4 प्रतिशत की कमी आती है और इसके इस्तेमाल से इंजन पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता तो शायद एथनाल मिश्रित पेट्रोल के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों को सक्रिय होने का अवसर ही नहीं मिलता। आखिर इसके पहले ई-10 पेट्रोल का उपयोग हो ही रहा था और उसे लेकर कोई शिकायत भी नहीं थी। इस तथ्य की भी अनदेखी न की जाए कि विश्व के कई देशों में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिलाया जाता है। ब्राजील तो बायोपयूल के मामले में वैश्विक लीडर है। यहां सामान्य पेट्रोल में 27 से 30 प्रतिशत तक एथनाल मिलाया जाता है।

बढ़ती आबादी और सतत विकास की चुनौती

विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह भी संदेश देता है कि विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी और टिकाऊ हो। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा, रोजगार सृजन, महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक समानता जैसे पहलुओं पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। सरकार, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों को मिलकर जनसंख्या संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। अंततः, विश्व जनसंख्या दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेने का अवसर है।

हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या से जुड़े मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना तथा परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, शिक्षा और सतत विकास के महत्व को रेखांकित करना है। इस दिवस की शुरुआत 1989 में यूएन द्वारा की गई थी। इसकी प्रेरणा 11 जुलाई 1987 को मिली, जब विश्व की जनसंख्या लगभग 5 अरब तक पहुंच गई थी। यह दिन केवल जनसंख्या पर चर्चा करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अधिकार है। आज विश्व की जनसंख्या 8 अरब से अधिक हो चुकी है। जनसंख्या वृद्धि ने विकास के अनेक अवसर दिए हैं लेकिन इसके साथ संसाधनों पर दबाव, पर्यावरणीय संकट, बेरोजगारी, गरीबी, जल संकट, खाद्य सुरक्षा और शहरीकरण जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

यदि जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो आने वाले वर्षों में इन समस्याओं की गंभीरता और बढ़ सकती है। भारत विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में शामिल है। विशाल जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार उपलब्ध कराया जाए, तो यही जनसंख्या आर्थिक विकास का आधार बन सकती है। दूसरी ओर यदि स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसर पर्याप्त न हों, तो सामाजिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। जनसंख्या वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ता है। बढ़ती आबादी के कारण जल, भूमि, वन और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे प्रदूषण, यातायात, कचरा प्रबंधन और आवास जैसी समस्याएं भी गंभीर होती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में संतुलित जनसंख्या वृद्धि और टिकाऊ विकास की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। विश्व जनसंख्या दिवस परिवार नियोजन के महत्व पर भी विशेष बल देता है। छोटे परिवार से माता और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने से जनसंख्या स्थिरीकरण में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। यही कारण है कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को सतत विकास की आधारशिला माना जाता है। भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण और जनजागरूकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, किशोर-किशोरियों को सही जानकारी और महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज आवश्यकता केवल जनसंख्या बढ़ने या घटने पर चर्चा करने की नहीं, बल्कि मानव संसाधन के समुचित विकास की है। यदि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण मिले, तो वह देश के विकास में प्रभावी योगदान दे सकता है। इसलिए जनसंख्या नीति का केंद्र मानव विकास होना चाहिए। विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह भी संदेश देता है कि विकास तभी सार्थक होगा।

संतुलित होता असंतुलित विकास

स्वतंत्रता के बाद भारत में क्षेत्रीय असंतुलित विकास को मोदी सरकार ने आधारभूत संरचना के विस्तार से संतुलित किया है। हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे और औद्योगिक विकास से उत्तर, पूर्वी व पूर्वोत्तर भारत में प्रगति हुई है, जिससे क्षेत्रीय असमानताएं कम हुई हैं। स्वतंत्रता के बाद की सरकारों की नीतियों के कारण भारत में आधारभूत संरचना के विकास का दायरा केवल दक्षिण भारत, महानगरों और बड़े शहरों तक सीमित रहा। परिणामस्वरूप कभी बड़े साम्राज्यों के केंद्र रहे उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों के लिए श्वीमारुश शब्द का प्रयोग किया जाने लगा। 1980 के दशक में जनसांख्यिकीविद् आशीष बोस ने बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को श्वीमारुश कहा। यह अविकसित अर्थव्यवस्था, कमजोर अवसंरचना विकास, निर्धनता, निरक्षरता के परिणामस्वरूप जनसंख्या-विस्फोट, उच्च शिशु-मृत्यु तथा दुर्बल स्वास्थ्य से ग्रस्त प्रदेशों की संरचनात्मक जड़ता के सांकेतिक बोधक के रूप में रहा। वास्तविकता में इस स्थिति का विस्तार उत्तर भारत, पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों तक रहा। जहां भारत की बड़ी आबादी विकास के पैमानों में पीछे रही। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार राज्यों के सहयोग से इन क्षेत्रों की बदहाली को दूर करने में बहुत हद तक सफल रही है।

हवाई संपर्क की बात करें तो 2014 से पहले देश में लगभग 74दृ75 परिचालन हवाई अड्डे थे। आज यह संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो चुकी है। इनमें कई नए या पुनर्जीवित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे शामिल हैं, जैसे नोएडा (जेवर), मोपा (गोवा), शिवमोग्गा (कर्नाटक), होल्लोंगी (अरुणाचल प्रदेश), राजकोट (हिरासर) और अयोध्या प्रमुख हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में भी हवाई संपर्क का उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

2014 तक भारत में लगभग 1,000-1,300 किलोमीटर एक्सप्रेसवे थे, जबकि अब यह नेटवर्क 6,000 किमी से अधिक हो चुका है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा, दिल्ली-देहरादून और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट उत्तर भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रहे हैं। पहले जहां आधुनिक एक्सप्रेसवे का बड़ा हिस्सा पश्चिमी और दक्षिणी भारत में केंद्रित था, वहीं अब उत्तर और पूर्वी भारत भी तेजी से इस नेटवर्क का हिस्सा बन रहे हैं। केंद्र सरकार ने विकेंद्रित ढांचागत निर्माण की नीति को ऊर्जा क्षेत्र में भी लागू किया।

देश में नई रिफाइनरी परियोजनाओं के साथ-साथ मौजूदा रिफाइनरियों का विस्तार किया गया है। विशेष रूप से जोधपुर में रिफाइनरी का शिलान्यास, बरौनी रिफाइनरी (बिहार) का उन्नयन, पानीपत रिफाइनरी (हरियाणा) का विस्तार और पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश इस बदलाव के उदाहरण हैं। इसके साथ ही ऊर्जा गंगा गैस पाइपलाइन, जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन, नार्थ-ईस्ट गैस ग्रिड और अन्य परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा तथा पूर्वोत्तर राज्यों तक प्राकृतिक गैस पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए गेल इंडिया लिमिटेड जैसी भारत सरकार की कंपनियों को आगे किया।

वर्तमान भारत के औद्योगिक राजनीतिक भूगोल में इस समय एक बड़ा परिवर्तन चुपचाप आकार ले रहा है। लंबे समय से देश के आटोमोबाइल उद्योग का केंद्र दक्षिण और पश्चिम भारत रहा है। तमिलनाडु को डेट्रायट आफ इंडिया कहा गया, जबकि गुजरात ने बीते डेढ़ दशक में गतिशील औद्योगिक नीति के बल पर वैश्विक वाहन कंपनियों को आकर्षित कर देश के सबसे बड़े आटो हब में अपनी जगह बना ली, परंतु अब उत्तर भारत में एक नया औद्योगिक भूगोल तेजी से उभर रहा है, जिसके केंद्र में उत्तर एवं मध्य के राज्य और पूर्वोत्तर भारत हैं।

समय के अनुरूप बदली विदेश नीति

अपनी तीन देशों की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों को संबोधित किया। इसके बाद वे न्यूजीलैंड में भी ऐसा करने वाले हैं। इसके पहले 28 जून को सेशेल्स की नेशनल असेंबली में उन्होंने अपने संबोधन में अगस्त 1770 में सेंट ऐनी द्वीप पहुंचे पांच भारतीयों का उल्लेख किया था। किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की संसद में पहली बार यह संदेश दिया कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक इतिहास से नहीं, बल्कि साझा सभ्यतागत स्मृतियों और भारतवंशियों की पीढ़ियों से निर्मित विश्वास से जुड़े हैं। यह केवल अतीत का स्मरण नहीं, अपितु भारत की बदलती विदेश नीति की उद्घोषणा थी। प्रधानमंत्री के इस संदर्भ को समझने के लिए गिरमिटिया इतिहास को समझना आवश्यक है। 1833 में ब्रिटिश संसद द्वारा दास प्रथा समाप्त किए जाने के बाद ब्रिटिश, डच और फ्रांसीसी उपनिवेशों में श्रमिकों का संकट उत्पन्न हुआ। इसका समाधान इंडेंटर्ड लेबर सिस्टम के रूप में निकाला, जिसमें एग्रीमेंट शब्द भोजपुरी-अवधी अपभ्रंश में श्गिरमित्श बन गया और अनुबंधित श्रमिक गिरमिटिया कहलाए।

10 सितंबर, 1834 को पहला जहाज कलकत्ता से मारीशस के लिए रवाना हुआ और 2 नवंबर, 1834 को पोर्ट लुईस पहुंचा। इस मोर्चे पर मार्च 1917 आते-आते भर्तियों पर रोक लगी और 1922 तक यह व्यवस्था व्यावहारिक रूप से समाप्त हो गई। इस दौरान लगभग 11.2 लाख भारतीय मारीशस, फिजी, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, नटाल और अन्य उपनिवेशों में भेजे गए। आज उनके वंशजों की संख्या लगभग 70दृ80 लाख है। देखा जाए तो गिरमित केवल शोषण का इतिहास न होकर पीड़ा से प्रतिष्ठा और परिश्रम से पराक्रम की यात्रा है। कभी कुली और जहाजी कहे जाने वाले लोगों की संतानों ने आज अनेक देशों की राजनीति, न्यायपालिका, उद्योग, शिक्षा और प्रशासन आदि में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। लोकमान्य तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले और महात्मा गांधी ने भी इस प्रश्न को राष्ट्रीय चेतना का विषय बनाया। स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति की प्राथमिकताएं राष्ट्र निर्माण, गुटनिरपेक्षता और नव स्वतंत्र देशों के साथ संबंधों पर केंद्रित थीं। उस समय यह दृष्टिकोण उभरा कि विदेशों में बस चुके भारतीय जिस देश के नागरिक हैं, उन्हें उसी राष्ट्र के प्रति पूर्ण निष्ठा रखनी चाहिए। नेहरू और बाद में इंदिरा ने भी इसी नीति को आगे बढ़ाया। परिणामस्वरूप गिरमिटिया समुदाय लंबे समय तक भारत की विदेश नीति के केंद्र में स्थान नहीं बना सका।

सांस्कृतिक संबंध बने रहे, लेकिन संस्थागत प्राथमिकता सीमित रही। फिजी में 1987 और 2006 के राजनीतिक संकटों ने भारतीय मूल के लोगों की असुरक्षा को उजागर किया। उस दौर ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या भारत केवल उनकी स्मृतियों में है या उनके वर्तमान के साथ भी खड़ा है? पिछले एक दशक में इस प्रश्न का उत्तर भारत की विदेश नीति ने नए रूप में दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने गिरमिटिया समुदाय को केवल प्रवासी समाज नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत शक्ति का विस्तार माना। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसी से उसकी नागरिकता या राष्ट्रीय निष्ठा बदलने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि इतना चाहता है कि वे अपने देश के आदर्श नागरिक बने रहकर भी अपनी भारतीय सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें। यही भारत की नई विदेश नीति का सबसे बड़ा परिवर्तन है। यही परिवर्तन गिरमिटिया समुदाय के लिए बड़ा मनोवैज्ञानिक बदलाव लेकर आया है कि भारत ने उन्हें छोड़ा नहीं, बल्कि उनके सम्मान, सांस्कृतिक पहचान और विरासत का नैतिक गारंटर बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रवासी भारतीयों के हितों में कई कदम उठाए गए हैं। प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन जीवंत हुए हैं। ओवरसीज सिटिजन आफ इंडिया यानी ओसीआइ व्यवस्था को अधिक सुगम बनाया गया और गिरमित देशों के साथ उच्चस्तरीय संवाद बढ़ा। फोरम फार इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स को-आपरेशन, वैक्सीन मैत्री, मिशन सागर, जल एंबुलेंस, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्वास्थ्य सहयोग, क्षमता निर्माण और जलवायु साझेदारी ने छोटे द्वीपीय देशों के साथ भारत के संबंधों को नई ऊंचाई दी है। कोविड-19 के दौरान भारत इन तमाम देशों में सबसे पहले सहायता पहुंचाने वाले देशों में था। इससे यह संदेश गया कि भारत कठिन समय में भी अपने मित्रों और भारतवंशियों के साथ खड़ा रहता है। यह परिवर्तन केवल विकास और सहयोग तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक गहरा रणनीतिक सोच भी है। मारीशस, सेशेल्स, फिजी, गुयाना, सूरीनाम और अन्य देश आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, ब्लू इकोनमी, समुद्री संसाधनों का संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं और बहुपक्षीय संस्थाओं में सहयोग के मोर्चे पर इन देशों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

दिल्ली हाई कोर्ट में की अपील खारिज

एक्टर राजपाल यादव को हाईकोर्ट से झटका

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस मामलों में सजा बरकरार रखी।
- ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ खारिज हुई राजपाल की अपील।
- शुक्रवार के आदेश के बाद राजपाल को दोबारा जेल जाना पड़ सकता है।



एटर्नेट डेस्क। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की अपील खारिज हो गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को चेक बाउंस के मामलों में अभिनेता राजपाल यादव की सजा को बरकरार रखा और उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली राजपाल यादव की अपील खारिज कर दी गई है।

क्या फिर जेल जाएंगे राजपाल यादव?

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल, अभिनेता ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की थी। मगर, उनकी अपील खारिज कर दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस से जुड़े मामले में अभिनेता की सजा को बरकरार रखा है। ऐसे में सवाल है कि क्या राजपाल यादव फिर जेल जाएंगे? दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद अभिनेता को दोबारा जेल जाना पड़ सकता है।

2019 के फैसले को एक्टर ने दी थी चुनौती

अदालत की कार्यवाही राजपाल यादव और उनकी पत्नी द्वारा दायर उन रिविजन याचिकाओं पर हुई, जिनमें उन्होंने सेशन कोर्ट के 2019 के फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, सेशन कोर्ट ने अप्रैल 2018 में मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा चेक-बाउंस के मामलों में उन्हें दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अभिनेता को छह महीने की सजा सुनाई थी।

जून 2024 में कोर्ट ने सजा पर रोक के साथ रखी थी शर्त

जून 2024 में, हाई कोर्ट ने उनकी सजा पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी, लेकिन इसके लिए शर्त यह थी कि वे

दूसरी पार्टी के साथ आपसी समझौते की संभावना तलाशने के लिए ईमानदारी से कोशिश करें। उस समय राजपाल यादव के वकील ने कहा था कि यह एक फिल्म के प्रोडक्शन के लिए फंड जुटाने का एक लेन-देन था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही, जिससे यादव को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

राजपाल यादव पर बार-बार वादा तोड़ने का आरोप

हालांकि, 2 फरवरी को कोर्ट ने राजपाल यादव से 04 फरवरी को सरेंडर करने को कहा, क्योंकि उन्होंने पैसे चुकाने के लिए कोर्ट से किए गए वादों को बार-बार तोड़ा था। 16 फरवरी को कोर्ट ने उनकी सजा पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी और शिकायतकर्ता के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपये जमा करने के बाद उन्हें जेल से रिहा करने की इजाजत दी।

क्या है राजपाल यादव का चेक बाउंस मामला?

साल 2010 में राजपाल यादव ने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म शता पता लापता बनाने के लिए मुर्गली प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से पांच करोड़ रुपये की राशि लोन के रूप में ली थी। शता पता लापता बॉक्स ऑफिस पर चली नहीं। कथित तौर पर राजपाल यादव को आर्थिक नुकसान हुआ।

कर्ज के रूप में ली गई कंपनी की धनराशि वे लौटा नहीं पाए। कंपनी ने राजपाल यादव के खिलाफ केस किया और साथ ही यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने लोन वापस करने के लिए जो कुछ चेक जारी किए थे वे सभी बाउंस हो गए। एक्टर के खिलाफ चेक बाउंस का केस दर्ज किया गया। ये चेक फिल्म प्रोडक्शन के लिए दिए गए थे, लेकिन पैसे नहीं मिले।

गोरखपुर में होगी झमाझम बारिश

मौसम विभाग ने गोरखपुर में मानसून के प्रभावी होने और रविवार तक झमाझम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इससे तापमान में गिरावट आएगी और उमसभ ...

संवाददाता, गोरखपुर

मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून के प्रभावी होने और झमाझम बारिश शुरू होने का पूर्वानुमान जारी किया है। शुक्रवार से शुरू होने वाला वर्षा का दौर शनिवार और रविवार तक प्रभावी रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से वर्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम 71 प्रतिशत रहने से दिनभर वातावरण में उमस बनी रही। इस दौरान केवल 2.0 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई, जिससे लोगों को गर्मी और चिपचिपाहट से राहत नहीं मिल सकी।

मौसम विभाग का कहना है कि वर्षा की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। लगातार वर्षा से तापमान में गिरावट आएगी और उमसभरी गर्मी से राहत मिल सकेगी। मौसम विज्ञानी टीबी सिंह ने बताया कि अभी तक छिटपुट वर्षा ही दर्ज की गई है।



गोरखपुर में टक्कर के बाद सारी न बोलना महिला को पड़ा भारी

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे अस्पताल के पास गुरुवार शाम सड़क दुर्घटना के बाद दबंगई का मामला सामने आया। आरोप है कि बाइक से टक्कर होने के बाद महिला ने शसारीश नहीं बोला तो मनबढ़ों ने बाल पकड़कर उसे कार से खींच लिया और सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। रेल विहार कालोनी की रहने वाली महिला अपने पिता अस्पताल लेकर जा रही थी। इंटरनेट मीडिया पर घटना का वीडियो प्रसारित हो रहा है, दैनिक जागरण इसकी पुष्टि नहीं करता है। शाहपुर थाना पुलिस मारपीट का मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही है। तारामंडल स्थित रेल विहार कालोनी निवासी शिवांगी शुक्ला गुरुवार शाम अपने पिता को कार से लेकर कोआबाग स्थित रेलवे अस्पताल जा

रही थीं। शाम करीब सात बजे रेलवे अस्पताल से पहले उनकी कार मोहनापुर निवासी सुबास निषाद की बाइक से टकरा गई। टक्कर में बाइक सवार सड़क पर गिर गया। आरोप है कि बाइक सवार ने महिला से शसारीश बोलने के लिए कहा। महिला के इन्कार करने पर उसने फोन कर अपने कई साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे पांच से छह युवकों ने महिला की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद बाल पकड़कर महिला को बाहर खींच लिया और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। बीच सड़क हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। महिला के पिता बचाव का प्रयास करते रहे, लेकिन मनबढ़ों ने उनकी भी नहीं सुनी। महिला ने डायल-112 और शाहपुर थाना पुलिस को सूचना दी।

गोरखपुर वासियों को अभी और करना होगा इंतजार

गोरखपुर की 4.02 किमी लंबी ताल रिंग रोड परियोजना भूमि मुआवजे के विवाद के कारण धीमी पड़ गई है, जिससे इसके पूरा होने में देरी हो रही है। 28.64 करोड़ रुपये ...

संवाददाता, गोरखपुर। शहर को जाम से राहत दिलाने और रामगढ़ताल क्षेत्र में बेहतर यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए स्मार्टव्हील शोरूम से सहारा एस्टेट तक बन रही 4.02 किलोमीटर लंबी डबल लेन ताल रिंग रोड परियोजना अभी पूरी होने में समय लेगी। 28.64 करोड़ रुपये की इस परियोजना का करीब 55 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन भूमि मुआवजा विवाद के चलते इसकी रफ्तार प्रभावित हुई है। निर्माण एजेंसी ने सड़क की आधारभूत संरचना का अधिकांश काम पूरा कर लिया है। 4200 मीटर के लक्ष्य के मुकाबले 4100 मीटर मिट्टी भराई, 4000 मीटर जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) और 3900 मीटर डब्ल्यूएमएम (वेट मिक्स मैकडम) का कार्य पूरा हो चुका है। बिटुमिनस कंक्रीट की अंतिम परत बिछाई जानी बाकी है। परियोजना के तहत 2100 मीटर फुटपाथ

और 2200 मीटर रेलिंग का निर्माण भी पूरा हो गया है। सात प्रस्तावित बाक्स कल्वर्ट में से तीन तैयार हो चुके हैं, जबकि शेष पर कार्य जारी है। वहीं 3700 मीटर रिटेनिंग वाल के लक्ष्य के मुकाबले अभी केवल 550 मीटर निर्माण हो सका है। पांचों एयर वाल्व चौंकर तैयार हैं और 51 में से 21 मैनहोल को निर्धारित स्तर तक ऊंचा किया जा चुका है। तीन स्थानों पर प्रस्तावित लीकेज मरम्मत में से दो का काम भी पूरा हो गया है। सुंदरीकरण के तहत 150 डेकोरेटिव लाइट पोल के लक्ष्य के सापेक्ष 84 पोल लगाए जा चुके हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार कुछ भू-स्वामियों द्वारा मुआवजे को लेकर उत्पन्न विवाद के कारण निर्माण प्रभावित हुआ। शेष कार्यों को तेजी से पूरा कर सड़क को जल्द जनता के लिए खोलने का प्रयास किया जा रहा है।



ताल रिंग रोड परियोजना 55 प्रतिशत पूरी हुई।
भूमि मुआवजे के विवाद से निर्माण धीमा।
28.64 करोड़ की परियोजना में देरी।

हाई-वोल्टेज ड्रामा

नशे में आम के पेड़ पर चढ़ी
नेपाली युवती, नीचे उतरने से किया
इंकार- मची अफरा-तफरी

चौक थाना क्षेत्र के नगर पंचायत में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब नेपाल निवासी एक युवती कथित तौर पर नशे की हालत में चौक-महाराजगंज मार्ग पर एक आम के पेड़ पर चढ़ गई। युवती काफी देर तक पेड़ की डाल पर बैठी रही और नीचे उतरने से इनकार करती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर उसे नीचे उतारा और थाने ले गई। चौक थाना क्षेत्र के नगर पंचायत में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब नेपाल निवासी एक युवती कथित तौर पर नशे की हालत में चौक-महाराजगंज मार्ग एक आम के पेड़ पर चढ़ गई। युवती काफी देर तक पेड़ की डाल पर बैठी रही। नीचे उतरने से इनकार करती रही। यह देख लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही चौक थाना प्रभारी मनीष पटेल पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और समझा-बुझाकर नीचे उतारा। जानकारी के अनुसार, चौक थाना क्षेत्र के चौक-महाराजगंज मार्ग स्थित एक पेड़ पर एक नेपाली युवती चढ़ गई। उसने अपना दुपट्टा पेड़ में ही बांध रखा था। रास्ते से गुजर रहे लोगों की नजर उस पर पड़ी तो भीड़ लग गई। इसकी जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर वाहन बुलवाकर उसे किसी तरह से नीचे उतारा।

पुलिस की पूछताछ में वह कुछ बोल नहीं पा रही थी। बताया जा रहा है कि वह नशे की हालत में थी। पुलिस युवती को चौक थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में उसके नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि युवती किन परिस्थितियों में पेड़ पर चढ़ी और उसके साथ कौन-कौन लोग मौजूद थे। बताया जा रहा है कि वह एक आर्कस्ट्रा दल से जुड़ी हुई थी। पुलिस संबंधित लोगों से भी पूछताछ कर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। इस संबंध में थाना प्रभारी मनीष पटेल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस पहुंचकर लड़की को पेड़ से उतरवाया तथा नशे की हालत में थाना लाया गया। जहां उसे भोजन कराकर सुलाया गया है। जब नशा उतरने पर पूछताछ कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नदी-खेत हुए एक

24 घंटे में 127 एमएम बरसा पानी, उफनाई ईशन नदी से एक हजार बीघा फसल जलमग्न, जनजीवन अस्त-व्यस्त



पुरदिलनगर के गांव सिंचावली में ईशन नदी के पानी को खेत में जाने से रोकता किसान

हाथरस,संवाददाता। हाथरस जिले में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने प्रशासनिक दावों और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। शहर से लेकर देहात तक चारों ओर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। हाथरस जिले में पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड 126.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 1879 फीसदी अधिक है। हाथरस प्रदेश में बारिश के मामले में बिजनौर के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस भारी बारिश के कारण ईशन नदी में उफान आ गया, जिससे हसायन और पुरदिलनगर के कई गांवों में करीब एक हजार बीघा फसल जलमग्न हो गई। एक जून से नौ जुलाई तक जिले में कुल बारिश 219.4 मिलीमीटर तक पहुंच गई है, जो सामान्य से 125 फीसदी अधिक है। लगातार बारिश से शहर के कई मोहल्लों में जलभराव हो गया, जिससे राहगीरों को परेशानी हुई। जिला प्रशासन ने कक्षा आठ तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया, पर बड़े विद्यालय खुले रहे। हाथरस में इस

मानसूनी बारिश की बदौलत एक जून से नौ जुलाई तक के पूरे सीजन की कुल बारिश अब 219.4 मिमी तक पहुंच गई है, जो सामान्य (97.7 मिमी) से 125% अधिक है। हाथरस जिला इस समय सरप्लस बारिश वाले टॉप जिलों में शामिल हो गया है। समय पर ध्यान न देने के कारण ईशन नदी ने हसायन और पुरदिलनगर के गांवों में तबाही मचाई। खेतों में दो-दो फीट तक पानी भर गया, जिससे धान, मक्का, लौकी, तोरई और मूंग की फसलें बर्बाद होने की कगार पर हैं। लगभग 200 से 250 किसान सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। सिंचावली कदीम के किसान सत्येंद्र सिंह की 300 बीघा धान की फसल पानी में डूब गई। किसान गजेंद्र की 65 बीघा धान और 20 बीघा लौकी की फसल भी जलमग्न हो गई। गिरीश कुमार की 60 बीघा और हरी सिंह की 20 बीघा धान की फसल भी बर्बाद हुई है। एटा बॉर्डर पर बांध लगाकर पानी रोकने से सिंचावली और आसपास के गांवों में पानी भर जाता है।

राम दान चोरी-हाथ में वाकी टाकी हर जगह हनक, सिर्फ चालक ही नहीं

अयोध्या,संवाददाता। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एक और खुलासा हुआ है। मंदिर निर्माण से वीआईपी आयोजनों तक हर जगह टिन्नु की हनक रहती थी। टिन्नु यादव का आदेश वॉकीटॉकी पर चलता था। तस्वीरों और वीडियो ने सवाल बढ़ा दिए हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु यादव सिर्फ चालक ही नहीं था, बल्कि ट्रस्ट की व्यवस्था का अहम चेहरा बन गया था। मंदिर निर्माण से लेकर वीआईपी आयोजनों तक उसकी हर जगह मौजूदगी की तस्वीरें इसकी पुष्टि कर रही हैं। राम मंदिर की दान पेटिकाओं से चढ़ावा चोरी का मामला छह जून को सार्वजनिक हुआ था। बीते 26 जून को गणना कार्य में शामिल छह आरोपियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय का चालक टिन्नु भी शामिल था। पुलिस के अलावा एसआईटी भी मामले की जांच कर रही है। इस बीच टिन्नु यादव से जुड़ी कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनसे उसकी भूमिका को लेकर तरह-तरह के सवाल



राम मंदिर चढ़ावा चोरी

मंदिर निर्माण से वीआईपी आयोजनों तक रहती थी टिन्नु की हनक

वॉकीटॉकी पर चलता था टिन्नु का आदेश, तस्वीरों और वीडियो ने बढ़ाए सवाल

उठ रहे हैं। अब तक उसे चंपत राय का चालक ही बताया जाता रहा लेकिन सामने आए दृश्य बताते हैं कि मंदिर निर्माण कार्यों से लेकर बड़े धार्मिक आयोजनों और वीआईपी कार्यक्रमों तक उसकी मौजूदगी रहती थी। फोटो और वीडियो में वह कभी मंदिर निर्माण की व्यवस्थाओं के बीच नजर आता है तो कभी ट्रस्ट के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देता है। कई तस्वीरों में वह ऐसे स्थानों पर भी मौजूद है, जहां आम

कर्मचारियों की पहुंच आसान नहीं मानी जाती। इन्हीं कारणों से जांच एजेंसियां अब उसकी वास्तविक भूमिका, जिम्मेदारियों और मंदिर परिसर में उसकी पहुंच की भी पड़ताल कर रही हैं। तस्वीरों की टाइमलाइन भी जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि टिन्नु को मंदिर परिसर में किन-किन जिम्मेदारियों के तहत प्रवेश और गतिविधियों की अनुमति थी।

तेज बारिश में धुली नगर निगम की तैयारी

प्रयागराज,संवाददाता। मानसून की पहली तेज बारिश ने बृहस्पतिवार को नगर निगम के दावों की पोल खोलकर रख दी। निगम की बरसात को लेकर की गई सारी तैयारी धुल गई। सड़क से लेकर गलियों तक जलभराव हो गया। मानसून की पहली तेज बारिश ने बृहस्पतिवार को नगर निगम के दावों की पोल खोलकर रख दी। निगम की बरसात को लेकर की गई सारी तैयारी धुल गई। सड़क से लेकर गलियों तक जलभराव हो गया। शहर पश्चिमी स्थित जाफरी कॉलोनी में उफनाए नाले का गंदा पानी सड़क से होता लोगों के घरों में घुस गया। बारिश के बाद हर तरफ कीचड़, उफनाए सीवर के चैंबर और नालियों का बदबूदार



पानी फैला था। लोगों को फिसलन व गंदगी का सामना करना पड़ा। सुबह-दोपहर के साथ रात में हुई तेज बारिश मुसीबत बढ़ा गई। शहर के कई चौराहों व मुख्य मार्गों पर पानी भर गया। इनमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति महाराणा प्रताप चौराहा, धोबी घाट, म्योराबाद चौराहा, प्रधान डाकघर के पास, धरना स्थल, बालसन चौराहे की रही। मेडिकल चौराहा, सीएमपी मार्ग व डॉटपुल, सूरज कुंड पुलिस चौकी डॉट पुल, खुल्दाबाद, रामबाग चौराहा, अलोपीबाग चौराहा सहित कई अन्य स्थानों पर जल निकासी न होने की वजह से सड़क के किनारे-किनारे बरसाती पानी भर गया।

पति की इस लत से परेशान थी मीनू ना सुनकर सन्नी ने ससुराल में ही चाकू से गोद डाला

सहारनपुर,संवाददाता। सहारनपुर में मीनू की हत्या के मामले में सामने आया है कि मीनू पति के शराब पीने से परेशान थी। इसलिए वह मायके चली गई थी। शराब पीने से रोकने और काम न करने को लेकर झगड़ा हुआ था। वहीं, आरोपी तीन दिन पहले ही पत्नी की हत्या की योजना बना ली थी। सहारनपुर के छुटमलपुर कस्बे में पत्नी मीनू की हत्या करने वाले आरोपी पति सन्नी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को अदालत में पेश किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मीनू पति सन्नी के कुछ काम न करने और शराब पीने की आदत से परेशान हो गई थी। इसीलिए उनमें आए दिन झगड़ा होने लगा था। झगड़े के दौरान मायके आने पर वह सन्नी की इन्ही आदतों से परेशान होकर ससुराल नहीं जाना चाहती थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सन्नी ने तीन दिन पहले ही पत्नी की हत्या की योजना बना ली थी। इसके लिए उसने चाकू खरीदा था। आरोपी की निशानदेही



सहारनपुर का मीनू हत्याकांड



- शराब पीने से रोकने और काम न करने को लेकर हुआ था दंपति का झगड़ा
- पत्नी के मायके से न आने पर आरोपी ने तीन दिन पहले हत्या की योजना बनाई

पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया गया। **यह था मामला** बता दें, कि कस्बे की हरिजन कॉलोनी निवासी मीनू (32) की बुधवार सुबह उसके मायके में चाकू से हमला कर पति सन्नी सैनी निवासी रजापुर ने हत्या कर दी थी। हत्याकांड को अंजाम देकर सन्नी भाग गया था। बाद में पुलिस ने उसे रुड़की रोड से रजापुर जाने वाले रास्ते पर स्थित

नवनिर्मित कॉलोनी ओम सिटी के गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया था। सीओ सदर विकास प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि पुलिस पूछताछ में सन्नी सैनी ने बताया कि उसने 14 साल पहले मीनू के संपर्क में आया था, तभी उसने मीनू से प्रेम विवाह कर लिया था। कुछ महीनों से उसकी मीनू से कहासुनी होती रहती थी। मीनू उसे शराब पीने के लिए मना करती थी, लेकिन वह इसका आदी हो चुका था।

मासूम आरव हत्याकांड में बड़ा फेसला बेरहम कातिल विराज को फांसी

फिरोजाबाद,संवाददाता। फिरोजाबाद की अदालत ने डेढ़ साल के मासूम आरव की निर्मम हत्या के दोषी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक को फांसी की सजा सुनाई है। आरोपी ने 27 सेकंड के भीतर बच्चे को आठ बार जमीन पर पटककर उसकी हत्या कर दी थी फिरोजाबाद के शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में 30 मई को दिनदहाड़े डेढ़ साल के मासूम आरव की बेरहमी से सड़क पर आठ बार पटक कर हत्या के आरोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखपुर, सिविल लाइंस, बदायूं को जिला जज डा. बबू सारंग की अदालत ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई। इससे पहले दोषी करार दिया था। सजा सुनते ही विराज रोने लगा। पुलिस अभिरक्षा में विराज उर्फ जितेंद्र पाठक को पुलिस दोपहर ढाई बजे करीब जेल से कोर्ट लेकर पहुंची थी। यहां अभियोजन और बचाव पक्ष के सामने अदालत ने आरोपी को बच्चे की हत्या का दोषी करार दिया। अदालत ने कहा, अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्य पूर्ण हैं। घटना बेहद जघन्य है। विराज को सजा का एलान होने के

बेरहमी से किया था मासूम का कत्ल

- 27 सेकंड में आठ बार जमीन पर पटका
- दिनदहाड़े दिया था वारदात को अंजाम
- पूरी घटना सीसीटीवी में हुई थी कैद



बाद पुलिस उसे वापस जेल ले गई। इस दौरान उसके चेहरे पर सजा का खौफ साफ था। इधर, मृतक आरव की नानी पिकी देवी भी पहुंची थी। उन्होंने सजा पर खुशी जताई। **यह हुई थी वारदात** शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में 30 मई की दोपहर विराज उर्फ जितेंद्र पाठक ने रिश्ते की भाभी रति से शादी करने की जिद पूरी न होने पर उसके डेढ़ साल के मासूम बेटे आरव को सड़क पर बेरहमी से आठ बार पटक-पटककर मार डाला था। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार देर रात ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके दोनों पैरों में गोली लगी थी।

कप्तान को बंदी वाहन में बुलाओ, फिर देखेंगे कौन बाहर आएगा

मेरठ में छात्रा हत्याकांड के बाद बवाल

कलक्ट्रेट पर जाम और विरोध प्रदर्शन के बाद ऑडियो वायरल



पीआरओ साहब... हम दोनों को बंदी वाहन में बंद करा दीजिए



मेरठ,संवाददाता। अनुसूचित जाति की बीए की छात्रा के मौत के मामले में ऑडियो वायरल हुआ है। पीआरओ को फोन करने वाले युवक ने खुद को अधिवक्ता बताया और कहा कि कप्तान को बंदी वाहन में बुलाओ, फिर देखेंगे कौन बाहर आएगा। पुलिस वायरल ऑडियो की जांच में जुटी है। मेरठ में अनुसूचित जाति की बीए की छात्रा के मौत के मामले में कलक्ट्रेट पर जाम और विरोध प्रदर्शन के बाद बृहस्पतिवार को एक

फोन का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। फोन एसएसपी के पीआरओ को किया गया। इसमें कॉल करने वाले युवक ने खुद को अधिवक्ता बताकर एसएसपी के सरकारी नंबर पर पीआरओ रमाकांत पचौरी से बात की। युवक ने फोन पर कहा— पीआरओ साहब...जैसे कप्तान बुधवार को बंदी वाहन में चढ़े थे। एक बार मुझे और कप्तान साहब को बंदी वाहन के अंदर बंद करा दीजिए। फिर देखिए कौन

बाहर आता है। पीआरओ ने इस युवक को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि तुम गलत बोल रहे हो, कप्तान को धमकी दे रहे हो। दरअसल, छात्रा की हत्या के मामले में कलेक्ट्रेट के बाहर तीन घंटे से अधिक समय तक सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। अधिकारियों के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी सड़क से नहीं उठ रहे थे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी—शेयर बाजार में खपाई रकम, एक किलो सोना गलवाया

तीन आरोपियों के ठिकानों से मिला ये सामान

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोप में गिरफ्तार तीन आरोपियों के ठिकानों पर पुलिस ने छापे मारे हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस को नकदी, चढ़ावे की रकम से खरीदी कार और गहने मिले हैं। पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। कस्टडी रिमांड पर लिए गए राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक कार, चोरी की रकम से खरीदे गए गहने और नकदी बरामद की है। 40 घंटे पूछताछ और बरामदगी के बाद पुलिस ने रिमांड अवधि खत्म होने पर तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया। कार्रवाई के दौरान चोरी से जुड़े कई अहम सुराग भी पुलिस के हाथ लगे हैं। अब तक चार आरोपियों को रिमांड पर लिया जा चुका है। टिन्नु व मनीष को भी रिमांड पर लेने की तैयारी है।

पुलिस ने कोर्ट की अनुमति के बाद बुधवार सुबह आरोपी अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को कस्टडी रिमांड पर लिया था। आरोपियों को जेल से पुलिस लाइन लाकर घंटों पूछताछ की गई। इसके बाद घटना स्थल पर ले जाया गया। पुलिस उन्हें लेकर वहां भी गई जहां चोरी की रकम का बंटवारा कर पार्टी की जाती थी। पुलिस बुधवार रात 10 बजे लवकुश मिश्रा को रुदौली कोतवाली के ठकुरन फगौली गांव स्थित उसके घर ले गई। यहां तलाशी के दौरान सोने का लॉकेट मिला, जिस पर लवकुश का नाम अंकित था। यह लॉकेट उसने पत्नी को गिफ्ट किया था।

अविनाश शुक्ला, आरोपी

इसके अलावा लगभग 35 हजार रुपये भी मिले। बृहस्पतिवार की सुबह लगभग 5:30 बजे आरोपी अनुकल्प मिश्रा को उसके कौशलपुरी कॉलोनी स्थित मकान पर ले जाया गया। यहां सोने की चेन, लगभग 15 हजार रुपये नकद और एक कार बरामद हुई। कार अनुकल्प ने 16 मई, 2025 को पिता रवींद्र मिश्रा के नाम से खरीदी थी। पुलिस की एक टीम करुणेश पांडेय को



उसके नाका गांधी आश्रम के पास स्थित किराये के मकान पर ले गई, जहां से लगभग 10 हजार रुपये बरामद हुए हैं।

इसके बाद आरोपियों को वापस पुलिस लाइन लाया गया, जहां उनसे और उनके परिजनों से दिनभर पूछताछ हुई। रात करीब 10 बजे तीनों आरोपियों को दोबारा जिला जेल भेज दिया गया। सूत्रों के मुताबिक आरोपियों से बरामद किए गए गहनों की कीमत छह से आठ लाख तक है।

शेयर बाजार में खपाई रकम

अनुकल्प और लवकुश ने बताया कि उन्होंने चढ़ावा चोरी की कुछ रकम शेयर बाजार में भी लगाई है। पुलिस को शेयर बाजार में निवेश संबंधी सभी रिकॉर्ड मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक आरोपियों ने कुछ और लोगों के नाम बताए हैं। पुलिस ने अब इनकी भूमिका भी तलाश रही है।

एक किलो सोना गलवाने का खुलासा...

सराफ भी रडार पर पुलिस की पूछताछ में चढ़ावा चोरी का सोना गलवाने का खुलासा हुआ है। आरोपी अनुकल्प ने पुलिस को बताया कि दान में आए आभूषणों में से करीब एक किलो सोना एक सराफा कारोबारी

से गलवाया था। इससे मिली रकम का इस्तेमाल संपत्तियां खरीदने में किया गया। इस खुलासे के बाद संबंधित सराफा कारोबारी भी जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया है। पुलिस ने अनुकल्प के पिता और चाचा से भी पूछताछ की है।

खंगाले जा रहे अनुकल्प के 70 लाख रुपये के मकान के दस्तावेज

सूत्रों ने बताया कि अनुकल्प ने कौशलपुरी के मकान की करीब 30 लाख रुपये की रजिस्ट्री कराई थी, जबकि उसने करीब 70 लाख रुपये दिए थे। मकान का बाजार मूल्य इससे कहीं अधिक बताया जा रहा है। मकान के नवीनीकरण व गृह प्रवेश पर भी करीब पांच लाख रुपये खर्च का दावा किया है। अब पुलिस दस्तावेज और भुगतान के स्रोत का सत्यापन कर रही है। उसका एक भूखंड होने की जानकारी भी मिली है।

लवकुश मिश्र की पत्नी हिरासत में

पुलिस बुधवार देर रात लवकुश को लेकर उसके घर पहुंची। यहां तलाशी के बाद लवकुश की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए ले गई।

लवकुश के माता-पिता को पुलिस पहले ही हिरासत में ले चुकी थी।

राम मंदिर प्रकरण पर विहिप की नजर, शीर्ष नेतृत्व ने अयोध्या में डाला डेरा

राम मंदिर में चढ़ावा राशि प्रकरण और ट्रस्ट में चल रहे प्रशासनिक बदलावों के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सक्रियता बढ़ा दी है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा करीब एक सप्ताह से अयोध्या में डेरा डाले हुए हैं। इस दौरान उन्होंने बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि से बंद कमरे में मुलाकात की।

महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा समेत कई केंद्रीय पदाधिकारी मौजूद, कारसेवकपुरम में हुई गोपनीय बैठक

सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच ट्रस्ट की वर्तमान स्थिति, प्रशासनिक व्यवस्था और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। सूत्रों का कहना है कि ट्रस्ट में महासचिव पद को लेकर भी मंथन जारी है। ऐसे में बांगड़ा की कोषाध्यक्ष से मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके नए महासचिव बनाए जाने की भी चर्चा है।

900 नई अदालतों के गठन पर हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने प्रदेश में 900 नई अदालतों के गठन पर मुख्य सचिव से शपथ पत्र मांगा है। अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी, जिसमें संबंधित ...

संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने प्रदेश में 900 नई अदालतों के गठन के मामले में मुख्य सचिव को अगली सुनवाई तक शपथ पत्र दाखिल कर संबंधित शासनादेश प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में प्रदेश में कुल 9149 अदालतों के गठन का मुद्दा उठाया गया है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि राज्य सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने अक्टूबर 2024 में पहले चरण में 900 नई अदालतों के गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इनमें 225 उच्च न्यायिक सेवा (एचजेएस), 375 सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और 300 सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालतें शामिल हैं। अब हाई कोर्ट ने इस संबंध में सरकार से विस्तृत जानकारी और शासनादेश प्रस्तुत करने को कहा है।

पैर फिसलने से पानी भरे गद्दे में गिरा किशोर डूबने से हो गई मौत



महाराजगंज, संवाददाता। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम गुलहरिया कला में बृहस्पतिवार को एक 17 वर्षीय किशोर की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया है। मृतक की पहचान गुलाम वारिस निवासी ग्राम गुलहरिया कला, थाना कोल्हुई के रूप में हुई है।

अयोध्या में सीएम योगी बोले— हनुमानगढ़ी मंदिर की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप सपा-कांग्रेस ने किया

अयोध्या, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के दौरे पर हैं। जहां पर उन्होंने 432 करोड़ की 217 परियोजनाओं का शुभारंभ किया और पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की मूर्ति का अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे में बीकापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अयोध्या को 432 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लंबे समय तक अयोध्या विकास से दूर रही। सपा और कांग्रेस की सरकारों ने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया। क्या कभी दिल्ली की जामा मस्जिद में कोई हनुमान चालीसा पढ़ सकता है। सपा-कांग्रेस के लोगों ने ये पाप किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज विकास और समृद्धि के वैभव की ओर बढ़ रही है। अगर मंशा साफ हो तो विकास अपने आप होता है। आज अयोध्या में दिख रहा है कि जब प्रभु श्रीराम की कृपा और हनुमान जी का आशीर्वाद हो तो अयोध्या के सारे काम अपने आप ही होते हैं। जो 500 साल में नहीं हुआ वो



करके दिखाया

सीएम योगी ने कहा कि आज अयोध्या हवाईअड्डे के माध्यम से पूरे देश और दुनिया से जुड़ चुकी है। अयोध्या की पहचान बदल गई है। पहले सरयू का जल दूषित रहता था पर कोई सफाई नहीं होती थी क्योंकि सपा-कांग्रेस के लोग अयोध्या को बदनाम करते थे अब डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकारों ने बिना थके बिना रुके काम किया जिससे नगर की पहचान बदली। डबल इंजन की सरकारों ने अयोध्या में वो करके दिखाया है जो कि 500 साल में नहीं हो सका। अब अयोध्या विकास और विरासत के पथ पर आगे बढ़ रही है।

गठबंधन के फेर में न उलझ जाए सपा

मेरठ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर पार्टियां तैयारियों में जुटी हैं। सपा में टिकट के लिए लंबी फेहरिस्त है। सपा से टिकट के मजबूत दावेदारों की चिंताएं बढ़ गई हैं। आसपा से गठबंधन हुआ तो समीकरण बदल जाएंगे। वहीं, कांग्रेस में इस बड़े नेता की एंट्री से मेरठ की राजनीति में खलबली मच गई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। मिशन 2027 को फतह करने के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का इंडिया गठबंधन भले ही जमीनी रणनीति बनाने में जुटा हो लेकिन जिले में इस गठबंधन ने सपा के स्थानीय नेताओं और टिकट के मजबूत दावेदारों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। मेरठ दक्षिण, सिवालखास और मेरठ कैंट जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर समाजवादी पार्टी के भीतर टिकटार्थियों की लंबी फेहरिस्त है लेकिन गठबंधन के तहत इनमें से दो सीटों के कांग्रेस के पाले में जाने की सुगबुगाहट ने अंदरूनी घमासान तेज कर दिया है।

तीन सीटों पर 10 से ज्यादा सपाईं रेंस में, गठबंधन का पेंच फंसा

मेरठ दक्षिण, सिवालखास और कैंट विधानसभा सीटों पर सपा के करीब 10 से अधिक नेता पिछले कई महीनों से जमीन तैयार करने में जुटे हैं। लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रम और गठबंधन की सीटों के बंटवारे को लेकर आ रही खबरों ने इन नेताओं की नींद उड़ा दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि कांग्रेस को कम से कम दो सीटों पर अपना मजबूत दावा ठोक रही है जिसमें सिवालखास और मेरठ कैंट प्रमुख हैं। इसके अलावा मेरठ दक्षिण सीट पर भी बढ़ते दावेदार और पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना की सुगबुगाहट के बाद सपा के दिग्गजों की नींद उड़ी है। सिवालखास सीट के लिए सम्राट मलिक, गौरव चौधरी, नदीम चौहान, वसीम राजा आदि दावा ठोक रहे हैं।

आसपा से गठबंधन हुआ तो और बदलेंगे समीकरण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (आसपा) एक महत्वपूर्ण फैक्टर बनकर उभरी है। अगर आगामी चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन के साथ आसपा

सपा में टिकट के लिए लंबी फेहरिस्त



- सपा से टिकट के मजबूत दावेदारों की बढ़ी चिंताएं
- आसपा से गठबंधन हुआ तो और बदलेंगे समीकरण
- इस बड़े नेता की एंट्री से मेरठ की राजनीति में खलबली



(कांशीराम) भी शामिल होती है, तो मेरठ की सिवालखास और दक्षिण सीट पर चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे। दलित और मुस्लिम बहुल सीटों पर आसपा की दावेदारी के चलते सपा के कोटे की सीटें और कम हो सकती हैं। देखना यह होगा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस आलाकमान मेरठ की इन हॉट सीटों पर क्या जिताऊ फॉर्मूला निकालते हैं।

अवतार सिंह भड़ाना की एंट्री से खलबली

मेरठ की राजनीति में उस वक्त खलबली मच गई जब पूर्व सांसद और कद्दावर नेता अवतार सिंह भड़ाना ने एक बार फिर मेरठ का रुख किया। उन्होंने सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों का दर्द जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर दक्षिण सीट कांग्रेस खाते में आती है तो भड़ाना प्रत्याशी हो सकते हैं। भड़ाना के मैदान में उतरने की चर्चाओं ने इस सीट के समीकरणों को बेहद दिलचस्प बना दिया है।

स्थानीय सपा नेता भी ठोक रहे ताल

एक तरफ जहां कांग्रेस के बड़े चेहरे जमीन तलाश रहे हैं, वहीं सपा के स्थानीय नेता भी हथियार डालने से इन्कार कर रहे हैं। सपा महानगर अध्यक्ष आदि चौधरी, डॉ. किशनपाल गुर्जर, जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी, सपा नेता जितेंद्र गुर्जर के अलावा अब नया नाम अक्षय जैन अरिहंत का आया है।

मानवता की मिसाल-दो युवकों ने बचाई कुएं में गिरे बछड़े की जान

सिद्धार्थ नगर,संवाददाता। कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बान में दो युवकों ने अपनी सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए कुएं में गिरे एक बछड़े की जान बचा ली। बी.टेक छात्र फरियाद हुसैन और कक्षा 11 के छात्र सुधीर शर्मा ने स्थानीय लोगों के सहयोग से रेस्क्यू कर बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाला। गोरखपुर जनपद के कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बान में दो युवकों ने अपनी सूझबूझ, साहस और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कुएं में गिरे एक बछड़े की जान बचाकर मिसाल पेश की। ग्राम बान निवासी फरियाद हुसैन पुत्र गुलाम हुसैन), जो बी.टेक. के छात्र हैं, तथा सुधीर शर्मा पुत्र अनिल शर्मा, जो कक्षा 11 के छात्र हैं, को सूचना मिली कि एक बछड़ा गहरे कुएं में गिर गया है। दोनों युवक बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग के

पहुंचने का इंतजार नहीं किया। दोनों युवकों ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रस्सियों और अन्य साधनों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। गांव के तीन अन्य लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद बछड़े को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया। उनकी तत्परता, साहस और सूझबूझ के कारण बछड़े की जान बच सकी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक दोनों युवक और उनके सहयोगी बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाल चुके थे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों युवकों की बहादुरी, त्वरित निर्णय और मानवता की भावना की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी। घटना के बाद ग्रामीणों ने भी दोनों युवकों के इस साहसिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि फरियाद हुसैन और सुधीर शर्मा को इस उत्कृष्ट साहसिक एवं सामाजिक कार्य के लिए जिला अथवा राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाए।

अमेरिका-ईरान के बीच फिर कैसे बिगड़े हालात

अब कौन जिम्मेदार, संकट से निपटने की भारत की क्या तैयारी



दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को संघर्ष विराम के लिए एक समझौता हुआ था। हालांकि, इसके एक महीना पूरा होने से पहले ही दोनों देश एक बार फिर होर्मुज में आमने-सामने हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बीच एक बार फिर ईरान के तेल निर्यात की लाइफलाइन माने जाने वाले खर्ग द्वीप पर कब्जे में दिलचस्पी दिखाई है, जिस पर ईरान ने उन्हें चेतावनी जारी की है।
अमेरिका-ईरान के बीच फिर भड़का संघर्ष। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर जंग शुरू होती दिख रही है। यह घटनाक्रम इसलिए भी चिंता बढ़ाने वाला है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने के लिए जो समझौता हुआ था, वह अब खत्म हो चुका है। ट्रंप का यह बयान ईरान की तरफ से होर्मुज में तीन तेल-गैस के टैंकरों को निशाना बनाए जाने और इसके जवाब में अमेरिकी वायुसेना की तरफ से ईरान के अलग-अलग ठिकानों पर हमले के बाद आया। ट्रंप ने इसके साथ ही एलान किया कि अमेरिकी सेना आज रात (बुधवार) को फिर से ईरान पर हमले करेगी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर जिस जंग पर 17 जून को ही रोक लगाने के लिए दोनों देशों के बीच समझौता हो चुका था, वह एक महीना पूरा होने से पहले एक बार फिर क्यों भड़क उठी है? ईरान की किस हरकत पर भड़कते हुए ट्रंप ने समझौते का अंत करने की बात कही है? इसके बाद से होर्मुज और पश्चिम एशिया में क्या ताजा घटनाक्रम रहा है? भारत के लिए होर्मुज में एक बार फिर संघर्ष भड़कने के क्या मायने

हैं? फिलहाल देश की तरफ से इस संकट से निपटने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?
पहले जानें— पश्चिम एशिया में फिर क्यों भड़क उठी जंग? पश्चिम एशिया में 17 जून के संघर्ष विराम से जुड़े समझौते के बाद फिर से युद्ध भड़कने की आशंका है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब ईरान ने मंगलवार शाम को (भारतीय समयानुसार) होर्मुज जलडमरूमध्य में कुछ टैंकरों को निशाना बनाया था। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर रातोंरात कई हमले किए। चौंकाने वाली बात यह है कि ईरान की तरफ से जहाजों-टैंकरों पर यह हमले ऐसे समय में किए गए, जब उसके सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की अंतिम विदाई का कार्यक्रम जारी है और 9 जुलाई (गुरुवार) को उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।
मंगलवार शाम— वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमले विवाद की शुरुआत तब हुई जब मंगलवार को ईरान ने ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया। इनमें कतर का एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर अल-रकियात और सऊदी अरब का कच्चे तेल का टैंकर वेदान शामिल था। ईरान का दावा था कि इन जहाजों ने उसकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया और ईरानी अधिकारियों द्वारा स्वीकृत मार्ग के बजाय ओमान तट के करीब वाले ओमानी मार्ग का इस्तेमाल किया। ईरान अक्सर दुनिया के कुल कच्चे तेल के बड़े हिस्से के व्यापार मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल अपने दबाव के रूप में करता है।

यूरेनियम से डिफेंस कारिडोर तक मोदी-अल्बानीज की मुलाकात से क्या बदलेगा? किन क्षेत्रों में डील हुई

दिल्ली,एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सिविल न्यूक्लियर एनर्जी, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, यूरेनियम आपूर्ति बढ़ाने और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देते हुए सिविल न्यूक्लियर एनर्जी, समुद्री सुरक्षा, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स), साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन जैसे अहम क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने का संकल्प दोहराया।
भारत और ऑस्ट्रेलिया की बैठक में किन मुद्दों पर हुई सबसे अहम चर्चा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के एक दिन बाद हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

रक्षा, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में कौन-कौन से बड़े फैसले लिए गए? बैठक के बाद दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा जारी की। इसके अलावा ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त बयान तथा साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रोडमैप भी जारी किया गया। इन समझौतों का उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय को मजबूत बनाना है।
भारत के लिए यूरेनियम आपूर्ति क्यों होगी आसान?

सिविल न्यूक्लियर एनर्जी पर हुए समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की व्यावसायिक आपूर्ति का रास्ता और आसान होगा। इससे भारत की परमाणु

खलिहान की पैमाइश में हुई वृद्ध की मौत



देवरिया। पिड़हनी गांव में खलिहान और आबादी की जमीन की पैमाइश के दौरान हुई वृद्ध की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने दूसरे पक्ष पर धावा बोल दिया। उन्होंने घर में घुस कर तोड़फोड़ की और तीन लोगों की पिटाई कर घायल कर दिया। जिसमे एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसका देवरिया एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। गांव में मंगलवार की शाम जमीन की पैमाइश के दौरान हुई बहस में सर्वजीत यादव की मौत हो गई। देर रात तक लोग कार्रवाई की मांग पर जुटे रहे। मृतक के पक्ष के लोगों ने गुस्से में दूसरे पक्ष की मकानों पर ईंट बरसाएं और दरवाजा तोड़ कर तीन की पिटाई कर दी। हमलावरों ने बैजनाथ यादव 42 की पिटाई की। उनके सिर में गंभीर चोट लगी। हरिकेश यादव की पत्नी सरिता 41 और बेटी रोली 14 को पीट कर घायल कर दिया। फिलहाल गांव में पीएसी कैंप कर रही है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने किए ये बड़े समझौते?



- ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम आपूर्ति
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग हुआ मजबूत
- समुद्री सुरक्षा के लिए साझा रोडमैप
- साइबर और क्रिटिकल टेक साझेदारी

ऊर्जा परियोजनाओं को गति मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।
स्वच्छ ऊर्जा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्आज हमने न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का रास्ता खुलेगा और हमारे स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को नई गति मिलेगी।
क्रिटिकल मिनरल्स और सप्लाई चेन पर दोनों देशों की क्या रणनीति है? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग दोनों देशों की रणनीतिक सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए बेहद अहम है। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और सप्लाई चेन पर नई साझेदारी शुरू की गई है तथा दोनों देश मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर विकसित करेंगे।
रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए क्या नई पहल हुई? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडो-पैसिफिक केवल दो महासागरों का संगम नहीं, बल्कि समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों की साझा आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर के माध्यम से दोनों देशों के रक्षा स्टार्टअप और उद्योगों को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे रक्षा क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।
समुद्री सुरक्षा और जहाज निर्माण में क्या होगा नया सहयोग? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि

भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझा प्रयासों को नई दिशा देगा। दोनों देश जहाज निर्माण, जहाजों की मरम्मत और उनके रखरखाव के क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे।
आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों ने क्या साझा संदेश दिया? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरी मानवता की चुनौती है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया आतंकवाद के खिलाफ अपनी साझा लड़ाई को और मजबूत बनाएंगे तथा इस दिशा में सहयोग लगातार बढ़ाया जाएगा।
वैश्विक तनाव पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्या सोच है? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों का मानना है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी तनाव और संघर्षों का समाधान केवल बातचीत और कूटनीति के जरिए ही संभव है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे।
आर्थिक सहयोग को नई रफ्तार कैसे मिलेगी? प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर तेजी से आगे बढ़ने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देश द्विपक्षीय निवेश संधि को अंतिम रूप देने की दिशा में भी मिलकर काम करेंगे।

बचाओ-बचाओ...मेरा किडनैप हो गया

गोरखपुर,संवाददाता। मां शालिनी शुक्ला उसे लेने मायके पहुंचीं। रात करीब 10 बजे वह अपने भाई रवि मिश्रा के साथ बाइक से बेटे को लेकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान आर्यन रास्ते भर जोर-जोर से चिल्लाता रहा कि उसका अपहरण हो गया है। बच्चे की आवाज सुनकर रास्ते में मौजूद महिलाओं ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसे शरारत कहे या पढ़ाई का डर। 12 साल के एक बच्चे ने बाइक से मां और मामा के साथ घर जाते समय रास्ते में शोर मचाना शुरू कर दिया... मैं किडनैप हो गया हूं... मुझे बचाइए... ये लोग किडनैपर हैं। कुछ राहगीरों ने उसकी बात को सही समझकर पुलिस का इत्तला कर दी। अपहरण की आशंका मानकर पुलिस की 10 टीमों ने खोजबीन शुरू कर दी। चार घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस जब उसके घर पहुंची तो हैरान रह गई। पता चला कि पढ़ाई के डर से बच्चा घर न जाकर मामा के यहां रहना चाहता था और इसलिए नाटक किया था।

यह वाकया मंगलवार रात की है। चिलुआताल क्षेत्र के शास्त्रीनगर कॉलोनी निवासी भारत भूषण शुक्ला का 12 वर्षीय बेटा आर्यन पिछले कई दिनों से राप्तीनगर स्थित अपने मामा रवि मिश्रा के घर रह रहा

था। परिजन के मुताबिक, वहां वह दिनभर घूमता-फिरता था और पढ़ाई से दूर था। उसकी मां शालिनी शुक्ला उसे लेने मायके पहुंचीं। रात करीब 10 बजे वह अपने भाई रवि मिश्रा के साथ बाइक से बेटे को लेकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान आर्यन रास्ते भर जोर-जोर से चिल्लाता रहा कि उसका अपहरण हो गया है। बच्चे की आवाज सुनकर रास्ते में मौजूद महिलाओं ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। रात करीब 11 बजे चिलुआताल और गुलरिहा थाने की पुलिस सक्रिय हो गई। बच्चे की तलाश के लिए 10 टीमें बनाई गई। पुलिस ने आसपास लगे 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक महिला, युवक और उनके बीच बैठा बच्चा बाइक पर दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस शास्त्रीनगर स्थित घर पहुंच गई। देर रात करीब दो बजे पुलिस को घर पहुंचा देखकर परिवार भी घबरा गया।

पूछताछ में बच्चे ने खुद बताई पूरी वजह पुलिस ने जब बच्चे और परिजन से अलग-अलग पूछताछ की तो मामला साफ हो गया। आर्यन ने बताया कि उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता और वह अपने मामा के घर ही रहना चाहता था। उसे डर था कि घर पहुंचते ही पढ़ाई करनी पड़ेगी।



41

की उम्र में भी

20

की दिखती हैं

मिर्जापुर की गोलू

हीरोइन बनने से पहले करती थीं ये काम

मिर्जापुर वेब सीरीज की एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी अजा अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर आइए आपको एक्ट्रेस के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं। मिर्जापुर वेब सीरीज की एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी अजा अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर आइए आपको एक्ट्रेस के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं। मिर्जापुर वेब सीरीज जबरदस्त पॉपुलर रही थी। इसके हर किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। सीरीज में गोलू गुप्ता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था। श्वेता आज 41वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। अपनी अदाकारी के साथ-साथ एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती और मासूमियत से भी फैंस के दिल जीतती रहती हैं।



इक्का का फर्स्ट रिव्यू आउट

एक्टर से क्रिटिक बने कुलदीप गढ़वी ने इक्का का फर्स्ट रिव्यू शेयर किया है। उन्होंने सनी देओल स्टारर इस फिल्म को एक जबरदस्त कोर्टरूम थ्रिलर बताया है जिसमें सस्पेंस, इमोशन और दमदार एक्टिंग का मेल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2 घंटे 19 मिनट की फिल्म इक्का सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म है जो आपको शुरू से आखिर तक बांधे रखेगी। इक्का को 4.5 स्टार देते हुए कुलदीप गढ़वी ने लिखा, 'फ्लैटफिलक्स की इक्का एक जबरदस्त कोर्टरूम थ्रिलर है जिसमें सस्पेंस, इमोशन और दमदार एक्टिंग का मेल है। कोर्टरूम की कार्यवाही में साइकोलॉजिकल टेंशन है, जिससे हर खुलासा असरदार लगता है। सनी देओल ने हाल के सालों में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी हैं। वे हर कोर्टरूम सीन में पूरे अधिकार, इमोशन और भरोसे के साथ छाए रहते हैं। अक्षय खन्ना कमाल के हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस, डायलॉग डिलीवरी और तेवर हर उस सीन को और बेहतर बनाते हैं जिसमें वे नज़र आते हैं।'

एंटरटेनमेंट डेस्क। ये रिश्ता क्या कहलाता है और महादेव एंड संस जैसी सीरियल्स से घर-घर में पहचान बनाने वाली पॉपुलर एक्ट्रेस गर्विता सिधवानी इन दिनों सुर्खियों में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो लॉक अप 2 में अपनी फेवरेट कंटेस्टेंट को लेकर कई बातें कही और सपोर्ट किया। साथ ही तारीफों के पुल बांधती दिखीं।

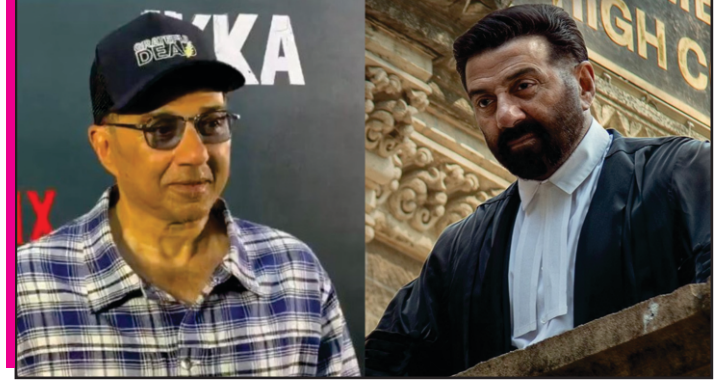
श्रेया के सपोर्ट में दिखीं गर्विता
गर्विता सिधवानी ने कहा कि लॉक अप 2 में श्रेया कालरा जिस तरह से खेल रही हैं, वो काबिले-तारीफ है। श्रेया का गेम बहुत ही शानदार है और जिस तरह से आकांक्षा चौधरी उन्हें पोक कर रही हैं, उस हिसाब से श्रेया ने बहुत ही कमाल का कंट्रोल दिखाया है और गेम खेला है। उन्होंने आगे बताया कि मुश्किल सिचुएशन में भी श्रेया ने अपना आपा नहीं खोया और स्ट्रेटजी से जवाब दिया, जो उन्हें बाकी कंटेस्टेंट से अलग बनाता है।

रियलिटी शो लॉक अप 2 का क्रेज लगातार बढ़ते जा रहा है। इसी बीच टीवी एक्ट्रेस गर्विता सिधवानी ने श्रेया कालरा की जमकर तारीफ की और खुलकर बात की।

एक्टिंग तो खत्म हो गई

सनी देओल ने फैंस की अटकलों को किया खारिज, क्लीन शेव लुक पर दिया रिएक्शन

यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बार्डर के लगभग तीन दशक बाद सनी और अक्षय एक साथ स्क्रीन पर दिख रहे हैं। रिलीज से पहले, सनी 9 जुलाई को मुंबई में अपने बेटों के साथ इक्का की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए।



एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में सनी देओल का क्लीन शेव लुक काफी चर्चा में आ गया। इस पर सनी देओल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फैंस की अटकलों को खारिज कर दिया है। सनी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इक्का की रिलीज के लिए तैयार हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक्टर का ओटीटी डेब्यू है। इसमें अक्षय खन्ना, तिलोत्तमा शोम और दीया मिर्जा भी अहम रोल में हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बार्डर के लगभग तीन दशक बाद सनी और अक्षय एक साथ स्क्रीन पर दिख रहे हैं। रिलीज से पहले, सनी 9 जुलाई को मुंबई में अपने बेटों के साथ इक्का की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इवेंट के दौरान, एक्टर ने अपने चर्चित क्लीन-शेव वाले लुक पर रिएक्शन दिया।

क्लीन शेव लुक पर सनी का रिएक्शन

इक्का की स्पेशल स्क्रीनिंग में सनी देओल की मौजूदगी ने फिल्म से कहीं ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा। चेकड शर्ट, जींस और कैप वाले कैजुअल आउटफिट में एक्टर ने अपने क्लीन-शेव मेकओवर से सभी को हैरान कर दिया। नए लुक को देखकर फैंस ने अंदाजा लगाया कि यह नितेश तिवारी की रामायण के लिए हो सकता है। हंसते हुए अफवाहों का जवाब देते हुए, सनी ने इन थ्योरीज को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा आजकल लोग लुक्स के पीछे ज्यादा रहते हैं। सब लुक्स के बारे में है और एक्टिंग तो पूरी तरह खत्म हो गई है।

धर्मद्र का बेटा कहने पर दी प्रतिक्रिया

दिलचस्प बात यह है कि जब इक्का का ट्रेलर रिलीज हुआ, तो एक

बात जिसने सबका ध्यान खींचा, वह थी सनी देओल को इंद्रोड्यूस करने का तरीका। सिर्फ उनका नाम दिखाने के बजाय, मेकर्स ने उन्हें धर्मद्र का बेटा सनी देओलश के तौर पर दिखाया। इस फैसले के बारे में पूछे जाने पर, सनी ने जवाब दिया शपापा के बेटे हैं और क्या है? अच्छा काम करते हैं तो अच्छा लगता है कि पापा खुश होंगे कि उनके बेटे अच्छा काम कर रहे हैं।

इक्का आज 10 जुलाई को नेटफिलक्स पर रिलीज होने वाली है। कब रिलीज होगी रामायण

सनी देओल के पास नितेश तिवारी की फिल्म रामायण भी है, जिसमें वह हनुमान का रोल निभाते दिखेंगे। इसमें रणवीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के रोल में दिखेंगे। पहला पार्ट दिवाली 2026 को रिलीज होगा, उसके दूसरा पार्ट दिवाली 2027 को। इस साल, सनी के पास बटवारा 1947 भी है। वह प्रीति जिंटा के साथ नजर आएंगे।

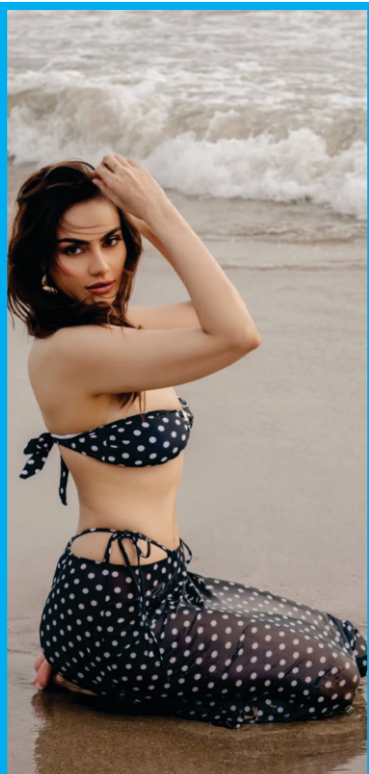


गर्विता ने की

श्रेया कालरा

की तारीफ

लाक अप 2 में श्रेया कालरा की फैन बनीं गर्विता सिधवानी



इन कंटेस्टेंट्स को बताया स्ट्रॉन्ग

हालांकि सिर्फ श्रेया ही उनकी पसंदीदा नहीं हैं, बल्कि घर के और भी सदस्यों का गेम उन्हें पसंद आता है। उन्होंने शिवांगी जोशी और राम कपूर को लेकर कहा कि दोनों का गेम भी बहुत शानदार है और अपनी पर्सनैलिटी से सभी का ध्यान खींच रहे हैं।

शो में हो चुका है पहला एलिमिनेशन

बता दें कि बीते कुछ दिनों में नेटफिलक्स की रियलिटी शो लॉक अप 2 का क्रेज बढ़ गया है। शो के कंटेस्टेंट्स और उनकी स्ट्रेटजी इस खेल को रोमांचक बना रही हैं। हाल ही में शो का फैमिली वीक भी शुरू हुआ है, जिसमें दर्शकों को इमोशनल सीन भी देखने को मिलेंगे।

बहन के विवाह में नया लुक

श्रेयस अय्यर ने टीम की खस्ता हालत पर दिया सिर चकराने वाला बयान, हर कोई हैरान

IND vs ENG: बहाने पर बहाने...



भारत की टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर के बहाने खत्म नहीं हो रहे हैं। अब उन्होंने एक और शगूफा छेड़ दिया है। इंग्लैंड से चौथे टी-20 सहित सीरीज भी हारने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा कि भारतीय टीम अभी बदलाव के दौर से गुजर रही है और उन्हें भरोसा है कि खिलाड़ी अपनी गलतियों से सीखेंगे। इंग्लैंड से सीरीज गंवाने से पहले भारत को आयरलैंड जैसी टीम ने भी पटखनी दी थी। आयरलैंड ने अपने घर में भारत को 2-0 से हराया था। ये उसकी भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत थी। उन्होंने कहा कि देखिए, यह बदलाव का दौर है और हम बहुत सी गलतियां करेंगे। आप यहां इन परिस्थितियों में बहुत से युवा खिलाड़ियों को पहली बार खेलते हुए देख रहे हैं। इसलिए गलतियों से उन्हें निश्चित रूप से यह एहसास होगा कि विदेशी परिस्थितियों में खुद को ढालना और सही समझ रखना कितना महत्वपूर्ण है। अय्यर ने यह भी माना की चौथे मुकाबले में उनकी टीम द्वारा बनाया गया 158 का स्कोर काफी नहीं था। उन्होंने कहा कि हम अपनी योजना को ठीक से लागू नहीं कर पाए और टीम एक बार फिर हर विभाग में नाकाम रही।

गुरिंदर का रिकार्ड तोड़ने से 0.05 सेकंड से चूके अनिमेष

भारत के सबसे तेज 100 मीटर धावक

1	गुरिंदरवीर सिंह	10.09 सेकंड
2	अनिमेष कुजूर	10.14 सेकंड
3	अनिमेष कुजूर	10.15 सेकंड
4	गुरिंदरवीर सिंह	10.17 सेकंड
5	अनिमेष कुजूर	10.18 सेकंड



स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने पीयूएमए फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में 10.14 सेकंड का समय निकालकर विदेशी धरती पर किसी भारतीय का सबसे तेज 100 मीटर रिकार्ड बनाया। वह राष्ट्रीय रिकार्डधारी गुरिंदर सिंह के 10.09 सेकंड के रिकार्ड से सिर्फ 0.05 सेकंड पीछे रहे। भारतीय एथलेटिक्स के उभरते सितारे अनिमेष कुजूर ने एक बार फिर अपनी रफ्तार से इतिहास रच दिया है। ओडिशा के इस धावक ने प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकंड में पूरी कर दूसरा स्थान हासिल किया। इसके साथ ही वह विदेशी धरती पर 100 मीटर स्पर्धा में सबसे तेज दौड़ने वाले भारतीय बन गए। हालांकि, वह गुरिंदरवीर सिंह के राष्ट्रीय रिकार्ड 10.09 सेकंड से महज 0.05 सेकंड पीछे रह गए।

विदेशी ट्रैक पर बनाया नया इतिहास अनिमेष ने फाइनल से पहले ही हीट में 10.19 सेकंड का समय निकालकर अपनी शानदार फॉर्म का संकेत दे दिया था। फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए 10.14 सेकंड का समय

निकाला, जो उनका नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) भी है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ समय 10.15 सेकंड था। यह किसी भी भारतीय धावक

भारत के सबसे तेज 100 मीटर समय

- गुरिंदर सिंह – 10.09 सेकंड
- अनिमेष कुजूर – 10.14 सेकंड
- अनिमेष कुजूर – 10.15 सेकंड
- गुरिंदर सिंह – 10.17 सेकंड
- अनिमेष कुजूर – 10.18 सेकंड

द्वारा विदेशी धरती पर 100 मीटर में दर्ज किया गया सबसे तेज समय है। वहीं भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में यह दूसरा सबसे तेज समय भी है। अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में अपनी मजबूत पहचान बना चुके हैं। देश के पांच सबसे तेज 100 मीटर समय में उनके नाम तीन रिकार्ड दर्ज हैं। **200 मीटर में भी एशियन गेम्स के लिए कर चुके हैं क्वालिफाई** इससे पहले जून में ओडिशा के अनिमेष

ने इंटर-स्टेट राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 20.74 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया था। उन्होंने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 20.88 सेकंड के क्वालिफिकेशन मानक को आसानी से पार कर लिया था। हालांकि, अनिमेष अपने समय से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा, इसका कहना तो मैं यहां समय निकालने के लिए नहीं आया था। मेरा लक्ष्य एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करना था। अब जब मैंने यह हासिल कर लिया है तो मेरा पूरा ध्यान एशियन गेम्स से पहले अपने प्रदर्शन में और सुधार करने पर रहेगा।

कोच ने बताया क्या थी रणनीति अनिमेष के कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा कि लगातार प्रतियोगिताओं और लंबी यात्रा के कारण उनका मुख्य लक्ष्य तेज समय नहीं, बल्कि क्वालिफिकेशन हासिल करना था। उन्होंने कहा, मैं चाहता था कि अनिमेष अच्छा प्रदर्शन करें और क्वालिफिकेशन हासिल करें। एशियन रिले चैंपियनशिप से लौटने के बाद हम काफी थके हुए थे और उन्हें रिकवरी का ज्यादा समय नहीं मिला था।

भारत vs इंग्लैंड, पांचवां टी20

क्या संजू सैमसन को मिलेगी जगह?

कौन होगा बाहर?

क्या आखिरी टी20 में भारत बचा पाएगा सम्मान?

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला साउथम्प्टन में खेला जाएगा। भारत 4-0 की शर्मनाक हार से बचने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड की नजर जीत के साथ आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने पर है। कप्तान हैरी ब्रूक ने भी साफ कहा है कि उनकी टीम इस लक्ष्य को हासिल करना चाहती है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को साउथम्प्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब उसके सामने 4-0 की शर्मनाक हार से बचने की चुनौती है। दूसरी ओर, इंग्लैंड सिर्फ क्लिन स्वीप ही नहीं, बल्कि जीत के साथ आईसीसी टी20 रैंकिंग में विश्व चैंपियन भारत को पीछे छोड़कर नंबर-1 टीम बनने की दहलीज पर खड़ा है। ऐसे में दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत रहा है। सीरीज का एक मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जबकि खेले गए चार में से तीन मैच भारत हार चुका है। अब आखिरी मुकाबले में हार का मतलब होगा 0-4 से सीरीज गंवाना। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2006 से शुरुआत के बाद यह भारत का सबसे लंबा दौर है जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी है। बेलफास्ट से शुरू हुआ यह निराशाजनक सफर अब साउथम्प्टन में खत्म होगा, लेकिन टीम के सामने सम्मान बचाने की चुनौती है।

दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिंटर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारातपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

क्रिकेट जगत की हस्तियां



विंबलडन में एक फ्रेम में नजर आए
सचिन, अंजलि और शुभमन गिल

